ऑस्ट्रेलिया में ग्रेट ओशन रोड के किनारे, एक के ऊपर एक जमाकर रखे हुए गोल पत्थर (रॉक स्टैक्स) पिछले कुछ वर्षों से पर्यटक आकर्षण बन गए हैं। ओशन रोड पर क्रिसब्रूक क्रीक स्थित यह अद्भुत सा नज़ारा सड़क से कुछ नीचे उतर कर है, इसलिए , यदि आपको इसके बारे में पता नहीं हैं तो आप शायद इसे ना देख पाएं। जो पर्यटक इसके बारे में जानते हैं वो अक्सर यहाँ आकर अपने-अपने रॉक स्टैक्स बनाते हैं और उनके साथ फोटो लेते हैं। वैसे रॉक स्टैकिंग कोई नई चीज़ नहीं है। सदियों से लोग किसी ना किसी कारण से पत्थरों के ऐसे चट्टे बनाते रहे हैं । मनुष्य द्वारा एक के ऊपर एक बैलेंस करके बनाए गए पत्थरों के ढेरों को कैर्न कहते हैं। हालांकि क्रिसब्रूक क्रीक पर रॉक स्टैक्स किसी प्रयोजन से नहीं बनाए जा रहे हैं परन्तु यह लोगों की रूचि को जगाने वाली एक मजेदार गतिविधि है। मौसम के अनुरूप यहाँ का नज़ारा बहुत बदलता रहता है। कभी तो ज्वार-भाटा पत्थरों को गिरा देता है और बहा ले जाता है, और कभी पर्यटकों की कम संख्या के कारण रॉक स्टैक्स बहुत कम नज़र आते हैं। पीक टूरिस्ट सीज़न में समुद्रतट पर सैकड़ों रॉक स्टैक्स बने होते हैं और ऑफ सीज़न में कुछ ही संरचनाएं होती हैं। इस जगह का सबसे बड़ा आकर्षण यह है कि आप सड़क से कुछ नीचे उतर कर अपने स्वयं के "मास्टर पीस" की रचना कर सकते हैं और दूसरों की कृति को सराह सकते हैं। कितने मनोयोग से लोग इन रचनाओं को अंजाम देते हैं, यह ऊपर दी हुई तस्वीर से स्पष्ट हो रहा है।

भाजपा का दावा: बंगाल में 700 गांवों में रेप व हिंसा की घटनायें हुईं

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि, भारत में इतनी अराजकता, भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के समय भी नहीं हुई थी

कोलकत्ता, 3 मई। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की जीत के बाद राज्य में हिंसा की घटनाएं शुरू हो गई हैं। भाजपा का दावा है कि टी. एम. सी. के गुंडे भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले कर रहे हैं। बंगाल भाजपा के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि टी. एम. सी. की जीत के बाद 700 गांवों में हिंसा हुई है। महिलाओं के साथ रेप हुआ है और उनके कार्यकर्ताओं की हत्याएं हुई हैं। विजयवर्गीय ने आरोप लगाया कि बीरभूम में हमारी दो महिला कार्यकर्ताओं के साथ उठा ले गए और उनके साथ रेप किया गया। एक विशेष वर्ग के लोग 700 गांवों में लूट-पाट कर रहे हैं। पूरे राज्य में अराजकता मचा दी गई है। वहीं, कैलाश विजयवर्गीय ने जानकारी दी कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मंगलवार को बंगाल का दौरा करेंगे।

बंगाल भाजपा के प्रभारी विजयवर्गीय ने कहा कि हमने भाजपा का एक कंट्रोल रूम बनाया है और लोगों से कहा जा रहा है कि जहां-जहां हमले हो रहे हैं, वे लोग कोलकाता आ जाएं। हम उनके लिए रुकने की जगह बना रहे हैं। इतनी अराजकता मैंने कभी भी नहीं देखी। जब भारत-पाकिस्तान का बंटवारा हुआ था, तब ऐसी स्थिति रही होगी, जो राज्य में आज है। एक विशेष के लोग ही यह सब काम कर रहे हैं। पुलिस फोन नहीं उठा रही है। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि चुन-चुनकर भाजपा कार्यकर्ताओं को पीटा जा रहा है, हत्या की जा रही है। भाजपा कार्यकर्ताओं के घर तोड़े जा रहे हैं और दफ्तरों पर हमले हो रहे हैं। कैलाश विजयवर्गीय ने आगे कहा कि, हमने गृह मंत्रालय और गृह मंत्री को इसकी जानकारी दी है। मंत्रालय ने भी राज्य सरकार के गृह सचिव से पूछताछ की है कि चुनाव के बाद कितनी हिंसा की घटनाएं हुई हैं, उसकी जानकारी दें।

- **कैलाश विजयवर्गीय ने जानकारी दी कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मंगलवार को बंगाल का दौरा करेंगे।**

भाजपा नेता ने कहा कि ममता बनर्जी बेशर्मी से कह रही हैं कि हमारे कार्यकर्ताओं को मारा जा रहा है, लेकिन आज की स्थिति में कौन सोच सकता है कि टी. एम. सी. कार्यकर्ताओं पर हमले हों। सच्चाई यह है कि भाजपा कार्यकर्ताओं को मारा जा रहा है। कई कार्यकर्ता घर छोड़कर चले गए हैं। बहुत ही खतरनाक स्थिति हो गई है। उन्होंने कहा कि संभव है कि कल राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बंगाल का दौरा कर सकते हैं। मैंने अपने जीवन में ऐसा राजनीतिक दंगा कभी भी नहीं देखा है, बस पाकिस्तान का विभाजन वाली बात सुनी थी। प्रशासन आंख बंद करके बैठा हुआ है।

कैलाश विजयवर्गीय ने ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि दो सौ फीसदी ममता बनर्जी के इशारे पर यह सब हो रहा है। एक आईपीएस अधिकारी ने मुझे बताया है कि हमसे कहा गया है कि कोई फोन मत उठाइए, जो हो रहा है, होते रहने दीजिए। ममता और उनके नेताओं के इशारे पर ये सब घटनाएं हो रही हैं। माइक वाली गाड़ी से जाकर हमला हो रहा है। दुकानें लूट ली गईं और घरों से एसी तक लूट लिया गया। उन्होंने आगे कहा, कल हम मैदान में उतरेंगे और इस प्रकार की हिंसा होने नहीं देंगे। मेरी गृह मंत्री अमित शाह से भी कई बार बातचीत हुई है।

वहीं, केंद्र सरकार ने राज्य में चुनाव परिणाम के बाद विपक्षी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर की गई हिंसा को लेकर सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट तलब की। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद कथित तौर पर भाजपा समेत विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया गया, जहां सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। एक प्रवक्ता ने ट्वीट किया, गृह मंत्रालय ने राज्य में चुनाव परिणाम के बाद विपक्षी राजनीतिक कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर की गई हिंसा को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट मांगी है।

सांचोर के बी लाल हॉस्पिटल ने मरीज के परिजनों को थमाया एक लाख अस्सी हजार रूपये का बिल

अस्पताल में सात दिन भर्ती रहने के बाद करोना मरीज की मौत

जालोर, (कासं)। जिले में करोना महामारी तेजी से बढ़ रही है। जिले के अस्पतालों में कोविड मरीजों की तादाद बढ़ती जा रही है। ऐसे में सांचोर के बी लाल हॉस्पीटल को कोविड हॉस्पीटल घोषित करने के बाद यहां करोना संक्रमित मरीजों से खुलेआम लूट की जा रही है। हाल ही में मरीजों से बेवजह रूपये लेने का एक वीडियो भी वायरल हुआ, जिससे बी. लाल हॉस्पीटल काफी चर्चाओं में नजर आया। इसके अलावा जिले में रैमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी शुरू हो गई। चिकित्सा विभाग के ड्रग्स इंस्पेक्टर द्वारा अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। करोना महामारी बढ़ने के साथ ही मौतों का आंकड़ा भी बढ़ रहा है गत 24 घंटों में 10 मरीज मर चुके हैं।

गौरतलब है कि सांचोर स्थित बी लाल हॉस्पीटल को भी कोविड हॉस्पीटल घोषित किया है। लेकिन यहां मरीजों की मजूबरी का फायदा उठाया जा रहा है। बी लाल हॉस्पीटल में सात दिन से भर्ती एक करोना मरीज की मौत होने के बाद हॉस्पीटल की ओर से एक लाख अस्सी हजार काउंटर पर जमा कराने को कहा। परिजनों ने यह कहकर बिल देने से मना कर दिया दवाई, ऑक्सीजन आदि का खर्चा स्वयं ने वहन किया है। केवल मात्र सात दिन के बैड चार्ज एक लाख अस्सी हजार रूपये क्यों मांगे जा रहे हैं। यह वीडियो वायरल हो गया। इससे निजी अस्पतालों द्वारा की जा रही लूट का खुला खेल सामने आ गया।

- **जालोर में चौबीस घंटे में दस मरीजों ने दम तोड़ा ।**

जालोर में रैमडेसिविर इंजैक्शन की कालाबाजारी का खेल भी शुरू हो गया है। ड्रग्स इंस्पेक्टर कार्यवाही नहीं कर रहे है और दुकानदार खुलेआम कालाबाजारी कर रहे हैं। जिले में मरने वालों का आंकड़ा दिन ब दिन बढ़ता नजर आ रहा है। जिले में करोना संक्रमण की चेन टूटने का नाम नही ले रही है। राज्य सरकार ने लोगों को घरों में रहने की सख्त हिदायत दी हैं। पर लोग लोग बेवजह सड़कों पर घूमते नजर आ रहे हैं।

सैंट्रल विस्टा प्रोजैक्ट की सभी अड़चनें दूर हुईं

सैंट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमैंट ने सैंट्रल विस्टा प्रोजैक्ट के लिए पर्यावरणीय व अन्य सभी स्वीकृतियां प्राप्त कीं

नई दिल्ली, 3 मई। देश के उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के लिए नया आशियाना मई से दिसंबर 2022 के बीच बनकर तैयार हो जाएगा। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी संभालने वाले केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्लूडी) ने यह जानकारी दी है। सीपीडब्लूडी डिपार्टमेंट का कहना है कि पर्यावरण मंत्रालय के विशेषज्ञों की ओर से प्रोजेक्ट को सभी जरूरी मंजूरी मिल चुकी है, जिसके बाद अब यह बिल्डिंग अगले साल के आखिर तक बनकर तैयार हो जाएगी।

- **सी.पी.डब्ल्यु.डी. की ओर से बताया गया है कि, नए संसद भवन का काम नवम्बर 2022 तक पूरा हो जाएगा। उपराष्ट्रपति भवन का काम मई 2022 तक पूरा होगा और प्रधानमंत्री आवास का काम दिसम्बर 2022 तक पूरा हो जायेगा। इस प्रोजैक्ट की लागत 13 हजार 450 करोड़ रुपये है।**

इस बिल्डिंग में एक केंद्रीय सचिवालय और स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) बिल्डिंग भी शामिल है। सीपीडब्लूडी की ओर से मंत्रालय को बताया गया है कि नए संसद भवन का काम नवंबर 2022 तक पूरा हो जाएगा, उपराष्ट्रपति भवन का काम मई 2022 तक पूरा होगा और प्रधानमंत्री आवास के साथ ही एसपीडी बिल्डिंग दिसंबर 2022 तक बनकर तैयार होगा। इस प्रोजेक्ट की लागत 13 हजार 450 करोड़ रुपये हैं। आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर देश में नया संसद भवन तैयार किए जाने का लक्ष्य है। बता दें कि 2022 में भारत को आजाद हुए 75 साल पूरे हो जाएंगे। हालांकि, यह पूरा प्रोजेक्ट साल 2024 में पूरा होगा। इस प्रोजेक्ट के तहत 11 प्रशासनिक भवन भी बनाए जाने हैं, जिसमें सभी मंत्रालय स्थित होंगे। नए भवन में लोकसभा और राज्यसभा के लिए हॉल का निर्माण किया जाएगा, जिनकी क्षमता क्रमश: 888 और 384 सीटों की होगी। इनका निर्माण 2026 में होने वाले संसद के सदस्यों में होने वाली वृद्धि को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। लोकसभा हॉल में 1,272 लोगों के बैठने का इंतजाम होगा ताकि संयुक्त सत्र का आयोजन किया जा सके।

'करोना काल में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खंडपीठ ने यह आदेश मैनेजिंग कमेटी सवाई मानसिंह विद्यालय, गांधी सेवा सदन, सोसायटी ऑफ कैथोलिक एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस सहित फीस नियामक कानून, 2016 को चुनौती देने वाली भारतीय विद्या भवन सोसायटी की एसएलपी पर दिए। अदालत ने कहा कि यदि किसी अभिभावक को पिछले सत्र की फीस जमा कराने में कठिनाई हो तो वह स्कूल को प्रार्थना पत्र पेश करे और स्कूल प्रशासन उस पर सहानुभूति पूर्वक विचार करे।

सुप्रीम कोर्ट ने ने राजस्थान हाईकोर्ट के 18 दिसंबर 2020 के उस आदेश को भी रद्द कर दिया जिसमें हाईकोर्ट ने फीस में छूट देते हुए स्कूल खुलने के बाद फीस वसूलने को कहा था। इसके अलावा अदालत ने हाईकोर्ट की एकलपीठ के 28 अक्टूबर 2020 के आदेश को भी खत्म करते हुए अवमानना याचिकाओं को भी निस्तारित कर दिया। इस मामले में निजी स्कूल संचालकों की ओर से सीनियर एडवोकेट श्याम दीवान, प्रतीक कासलीवाल व अनुरूप सिंघी ने पैरवी की, जबकि राज्य सरकार की ओर से एएजी मनीष सिंघवी व अभिभावकों की ओर से एडवोकेट सुनील समदड़िया ने पैरवी की।

सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल फीस एक्ट 2016 व नियम, 2017 को वैध करार दिया है। अदालत ने स्कूल फीट कमेटी के गठन की बात कही जो कि फीस का निर्धारण करेगी और दोनों पक्षों को आपत्ति नहीं होने पर फीस तय मानी जाएगी। यदि किसी भी पक्ष को आपत्ति होगी तो वह संभागीय फीस नियामक कमेटी में जा सकता है।

राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ ने प्रोग्रेसिव स्कूल्स एसोसिएशन व अन्य की याचिका पर 7 सितंबर को निजी स्कूलों की 70 फीसदी ट्यूशन फीस वसूल करने की छूट दी थी। राज्य सरकार व अन्य द्वारा इस आदेश के खिलाफ की गई अपील पर खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार को अंतरिम रूप से फीस तय करने को कहा था, जिसकी पालना में राज्य सरकार ने सीबीएसई की कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों की ट्यूशन फीस का 70 फीसदी और राजस्थान बोर्ड की इन कक्षाओं की ट्यूशन फीस 60 प्रतिशत की वसूली का निर्णय किया था। राजस्थान हाईकोर्ट व राज्य सरकार की कार्रवाई को निजी स्कूल संचालकों ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर कर चुनौती दी थी।

'सुकू...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाहिर है, उन्हें इस काम के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रन्ट (यू.डी.एफ.) ने मैदान में उतारा था क्योंकि फ्रन्ट यह माने हुए था कि मतदाताओं के ऊपर उनका कुछ प्रभाव है। लेकिन मतदाताओं ने उन्हें सिरे से खारिज कर दिया। वे उपहास का पात्र बनकर रह गये हैं। सुकुमारन नय्यर हर सूरत में रमेश चेन्नीथला को मुख्यमंत्री बनाने पर आमादा थे पर यू.डी.एफ.बुरी तरह हार गया। वाम-मोर्चे के लिए सौभाग्य की बात यह रही कि विभिन्न जातियों के नेताओं ने उसे अपना समर्थन की पेशकश नहीं की। इझवा जाति के नेता वल्लापल्ली नटेशन, जो सुकुमारन नय्यर की तरह ही अलोकप्रिय थे, किसी भी पार्टी के समर्थन में आगे नहीं आये। उनके पुत्र की पार्टी, बी.डी.जे.एस. भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही थी। ज्ञातव्य है कि भाजपा एक भी सीट नहीं जीत सकी है। बी.डी.जे.एस.का प्रदर्शन इतना खराब रहा है कि आगामी दिनों में भाजपा भी इससे पीछा छुड़ाना चाह सकती है। ईसाइयों की पार्टी, केरल कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग के वोटों में उल्लेखनीय कमी हुई है। इस प्रकार, केरल एक धर्मनिरपेक्ष राज्य बनने के रास्ते पर चल पड़ा दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस, मार्क्सवादी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हस्तांतरित कर दिया। इस वजह से राज्य में कांग्रेस और माकपा का तो सफाया ही हो गया।

माकपा के अधिकांश प्रत्याशियों की तो जमानत जब्त हो गई। राज्य के कुछ हितों, जैसे मुर्शिदाबाद और माल्टा आदि में कांग्रेस की मौजूदगी अवश्य थी, पर अब कांग्रेस कहीं नहीं है।

वाममोर्चा जब अपने शिखर पर था तब राज्य विधानसभा में इसकी 235 सीटें थी। दोनों पार्टियों के राज्य में 15 से 17 प्रतिशत वोट हैं जो मध्य बंगाल की सीटों, जहां बाद में चुनाव हुए थे, तृणमूल को हस्तांतरित कर दिए गए। देखना यह है कि राजनैतिक परिदृश्य से पूरी तरह बाहर होने के बाद वे अब कैसे व्यवहार करेंगे। क्या वे तृणमूल की कृपा पर चलेंगे।

राज्य में कई राजनैतिक दल रहे हैं जो अपने-अपने समय पर प्रभावी भी रहे हैं। बांग्ला कांग्रेस, जो कांग्रेस से अलग हुआ गुट था, राज्य को दो मुख्यमंत्री दे चुका है। पर कई दशकों से इस पार्टी का नाम भी नहीं सुना।

इन दलों ने आत्मघाती बलिदान नहीं दिया होतो नतीजे कुछ और होते।

अपनी हार से आहत भाजपा को भी समझ में आ रहा है कि उसने कौनसी निर्णायक भूलें की हैं।

इनमें, सबसे बड़ी बात रही उन लोगों को टिकट देना, जो ऐनवक्त पर टी.एम.सी. छोड़कर भाजपा में आये थे तथा इस प्रकार, भाजपा के निष्ठावान नेताओं की उपेक्षा किया जाना। उदाहरण के लिये, 80 वर्ष से अधिक आयु के रवीन्द्रनाथ भट्टाचार्य को सिंगूर सीट से टिकट देना, जो एक दिन पहले ही, टी.एम.सी. छोड़कर भाजपा में आये थे।

टी.एम.सी.नेताओं को भाजपा में लाने वाले शिल्पी थे मुकुल रॉय। पार्टी के कुछ पुराने नेताओं ने इसका विरोध भी किया था। लेकिन चूँकि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव मुकुल रॉय में अपनी इस बात को मनवाने की क्षमता थी, जबकि अन्य व्यक्तियों में इस क्षमता का अभाव था। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष दिलीप घोष ने इन कारगुजारियों का विरोध किया था।

चुनाव परिणाम आने के तुरन्त बाद, घोष ने सार्वजनिक रूप से यह कहा था कि टी.एम.सी. छोड़कर, बड़ी संख्या में भाजपा में शामिल किये जाने की कार्यवाही को जनता ने अच्छी बात नहीं माना। ऐसे और भी बहुत से गलत कदमों की समीक्षा-दर-समीक्षा की जा रही है ताकि निर्णायक सबक लिये जा सकें।

'आई.पी.एल. मैच आयोजन रद्द किया जाये'

नई दिल्ली, 3 मई (वार्ता)। कांग्रेस ने कहा है कि देश में करोना महामारी को लेकर जो हालात बने हुए हैं उसे देखते हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आई.पी.एल.) मैचों के आयोजन का कोई औचित्य नहीं है।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा कि देश महामारी की चपेट में है और वर्तमान माहौल आई.पी.एल. जैसे बड़े मैचों के आयोजन के लिए उचित नहीं है। आई.पी.एल. मैच खेल रहे टीम के कुछ खिलाड़ियों के संक्रमित होने से मैच रद्द करने की भी खबर पर उन्होंने कहा कि सबसे पहले इस माहौल में आई.पी.एल. होना ही सवाल खड़ा करता है। सवाल यह है कि वर्तमान परिस्थिति में इन खेलों के आयोजन की जरूरत ही क्या है। प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह के बड़े आयोजन के लिए यह माहौल ठीक नहीं है। उनका कहना था कि इस माहौल में हमें और चीजों की चिंता हो या ना हो लेकिन खिलाड़ियों की सेहत की चिंता जरूर करनी चाहिए।

सौ दिन कोविड ड्यूटी करने वालों को सरकारी नौकरी में प्राथमिकता मिलेगी

नई दिल्ली , 3 मई (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने करोना महामारी की दिनों दिन बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए चिकित्सा कर्मियों की उपलब्धता बढाने तथा उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आज कई महत्वपूर्ण निर्णयों को मंजूरी दी।

मोदी ने सोमवार को एक बैठक में कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए पर्याप्त मानव संसाधनों की बढ़ती आवश्यकता की समीक्षा की। बैठक में कई ऐसे निर्णयों को मंजूरी दी गयी जिससे कोविड ड्यूटी में चिकित्सा कर्मियों की उपलब्धता काफी हद तक बढ़ जाएगी। एक बड़े निर्णय के तहत नीट-पीजी परीक्षा को कम से कम 4 माह टालने का निर्णय लिया गया और यह परीक्षा 31 अगस्त 2021 से पहले आयोजित नहीं की जाएगी। इसके अलावा, परीक्षा की घोषणा के बाद इसके आयोजन से पहले छात्रों को कम से कम एक माह का समय दिया जाएगा। इससे बड़ी संख्या में योग्य डॉक्टर कोविड ड्यूटी करने के लिए उपलब्ध हो जाएंगे। कोविड प्रबंधन में सेवाएं प्रदान करने वाले कर्मियों को कोविड ड्यूटी के न्यूनतम 100 दिन पूरे कर लेने पर आगामी नियमित सरकारी भर्तियों में प्राथमिकता दी जाएगी।

- **मोदी ने नर्सिंग व एम.बी.बी.एस. फाइनल ईअर के छात्रों व इन्टर्नीज़ की कोविड रोकथाम एवं प्रबंधन में ड्यूटी लगाने के हैल्थ एक्सपर्ट्स के प्रस्ताव को मंजूरी दी।**

इसके अलावा इंटर्नशिप रोटेशन के हिस्से के तहत अब मेडिकल इंटर्न को अपने संकाय की देख-रेख में कोविड प्रबंधन ड्यूटी में लगाने की अनुमति देने का भी निर्णय लिया गया। एमबीबीएस के अंतिम वर्ष के छात्रों की सेवाओं का उपयोग संकाय द्वारा उनका उचित ओरियंटेशन के बाद लिया जा सकता है। इनका उपयोग छात्र संकाय की देख-रेख में कोविड के हल्के लक्षणों वाले मरीजों के टेली-परामर्श और निगरानी जैसी सेवाएं प्रदान करने में किया जा सकता है। इससे कोविड ड्यूटी में लगे मौजूदा डॉक्टरों पर काम का बोझ कम होगा और इसके साथ ही प्राथमिकता देने के प्रयासों को काफी बढ़ावा मिलेगा।

रेजिडेंट के रूप में अंतिम वर्ष के पी.जी. छात्रों की सेवाओं का उपयोग आगे भी तब तक किया जा सकता है जब तक कि पी.जी. छात्रों के नए बैच शामिल नहीं हो जाएंगे। बीएससी और जीएनएम योग्य नर्सों का उपयोग वरिष्ठ डॉक्टरों और नर्सों की देख-रेख में पूर्णकालिक कोविड नर्सिंग ड्यूटी में किया जा सकता है। कोविड संबंधी काम में लगाए जाने वाले मेडिकल छात्रों तथा पेशेवरों को उपयुक्त रूप से टीका लगाया जाएगा। इस प्रकार कार्यरत होने वाले सभी स्वास्थ्य पेशेवरों को 'कोविड-19' से लड़ने में जुटे स्वास्थ्य कर्मियों के लिए सरकार की बीमा योजना के तहत कवर किया जाएगा। ऐसे सभी पेशेवर जो कोविड ड्यूटी के न्यूनतम 100 दिनों के लिए हामी भरते हैं और इसे सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, उन्हें केन्द्र सरकार की ओर से 'प्रधानमंत्री का प्रतिष्ठित कोविड राष्ट्रीय सेवा सम्मान' भी दिया जाएगा।

चुनाव नतीजों के बाद प. बंगाल में हिंसा का दौर?

कोलकाता, 3 मई। बंगाल में विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद राज्य में हिंसा का दौर और तेज हो गया है। सोमवार को नंदीग्राम में भी हंगामा होने की खबरें हैं। कथित तौर पर मिली जानकारी के मुताबिक नंदीग्राम में भाजपा के दफ्तर में तोड़फोड़ की कोशिश की गई। स्थिति यह है कि चुनाव बाद राज्य में हुई हिंसा में अब तक चार लोगों की जान जा चुकी है।

ऑफिस में हुई तोड़फोड़ के लिए भाजपा ने टी. एम. सी. को जिम्मेदार बताया है। कुछ रिपोर्ट्स यह भी दावा कर रही हैं कि नंदीग्राम में कई दुकानों और घरों में भी तोड़फोड़ और आगजनी की गई है।

गौरतलब है कि बंगाल में प्रचंड जीत हासिल करने वाली तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी नंदीग्राम सीट से चुनाव लड़ी थीं और वह यहां हार गई हैं। उन्हें भाजपा के उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी से चुनाव में हार मिली है।

नतीजों के बाद हुई हिंसा में चार लोग मारे जा चुके हैं। इनमें से दो भाजपा कार्यकर्ता थे, एक टी. एम. सी. और एक आईएसएफ कार्यकर्ता शामिल हैं।

ममता बनर्जी की जीत भाजपा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि भाजपा उनके वोट खरीदने के लिए धनबल का इस्तेमाल करेगी। करीब-करीब प्रत्येक जनसभा में कहती थी "उनका पैसा तो ले लेना लेकिन वोट उसी को देना, जिसे देना आप चाहते हैं।"

उन्हें भाजपा की उस पूरी की पूरी ताकत से लोहा लेना पड़ा, जिसके पास विशाल कोष तथा स्टार प्रचारकों की पूरी फौज थी। कल 63 वर्षीय इस टी.एम.सी. नेता ने, घमासान लड़ाई के बाद हासिल हुई इस जीत को "लोकतन्त्र की जीत" बताया था।

ममता बनर्जी ने कहा, "बंगाल ने भारत को बचा लिया है। यह लोकतन्त्र की जीत है। वे कहते थे कि वे 200 से अधिक सीटें जीतेंगे लेकिन वे धराशायी कर दिये गए हैं। बंगाल ने भाजपा के घमंड को नष्ट कर दिया है।"

बंगाल के परिणामों से भाजपा को एक बड़ा धक्का लगा है। भाजपा ने इस बार इस राज्य को अपने कब्जे में लेने के लिए अपनी सारी ताकत झौंक दी थी।

भाजपा सांसद बाबुल सुप्रियो, जिन्होंने कोलकाता से विधानसभा चुनाव लड़ा था, ने एक संक्षिप्त, किन्तु नाराजगी भरी फेसबुक पोस्ट में कहा कि बंगाल की जनता ने एक "एतिहासिक गलती" की है।

इस फेसबुक पोस्ट, जिसे बाद में उन्होंने डिलीट कर दिया, में उन्होंने कहा था, " न तो मैं ममता बनर्जी को बधाई दूंगा। और न मैं यह कहना चाहूंगा कि मैं इस जनादेश का 'सम्मान करता हूँ।" मेरा ईमानदाराना सोच है कि बंगाल की जनता ने, भाजपा को एक अवसर न देकर,.. इस भ्रष्ट, अक्षम, बेईमान सरकार को चुनकर, तथा एक निष्ठुर एवं निर्दयी महिला को सत्ता में वापस लाकर, एक एतिहासिक गलती की है।"

प्रधानमंत्री मोदी, जिन्होंने केन्द्रीय मंत्री अमित शाह के साथ राज्य में 50 रैलियां की थीं, ने अपना बधाई ट्वीट कल शाम को देर से भेजा था। उनके कैबिनेट मंत्री राजनाथ सिंह तथा निर्मला सीतारमण, मोदी से काफी पहले ममता को बधाई संदेश दे चुके थे।

बनर्जी ने आज कहा कि उन्होंने (मोदी) मुझे फोन नहीं किया है। उन्होंने कहा, "यह पहला अवसर है, जब किसी प्रधानमंत्री ने फोन न किया हो।"

राष्ट्रीय राजनीति में राजनैतिक ताकतों के बीच नया तालमेल देर सवेर होना ही है। आगामी सप्ताह, महीने तथा साल, अर्थात अगले आम चुनावों तक का समय बहुत ही कटु तथा खून खराबे वाला हो सकता है क्योंकि भगवा ताकतें इस चुनौती को सहजता से लेने वाली नहीं है। मोदी-शाह की जोड़ी, बनर्जी तथा उनके लिए दलों पर किसी तरह के आरोप लगाने में किसी भी प्रकार की चालबाजी को काम में लेने से परहेज नहीं करेगी।

ममता बनर्जी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पश्चिम बंगाल की जीत को 1989 की उस घड़ी के रुप में देखना भी अन्य कई कारणों से असंभव दिखाई देता है, जब क्षेत्रीय दलों का एक मोर्चा राजीव गांधी सरकार को चुनौती देने के लिए आगे आया था। पहला, 1989 में, स्वर्गीय वी.पी.सिंह के नेतृत्व में, जनता दल विपक्षी एकता का एक आधार बन गया था। दूसरा, उस दशक के पुराने नेता या तो परलोक सिधार चुके हैं, या वयोवृद्ध हो गये हैं तथा उनका स्वास्थ्य प्राय: खराब रहता है। तीसरा, राष्ट्रीय राजनीति की गतिविधियों तथा ढांचे में अब आमूलचूल परिवर्तन आ चुका है।

जहां विपक्षी नेताओं, जैसे शरद पवार, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव तथा अरविंद केजरीवाल ने ममता द्वारा अर्जित की गई इस बहुत बड़ी जीत के लिए बधाई दी है, वहीं राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता का मार्ग अभी बहुत दूर है।

महेश जोशी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैरिटेज नगर निगम के पार्षद मनोज मुद्गल के पुत्र का था और उनके साथ परिवहन मंत्री खाचरियावास और महापौर मुनेश गुर्जर सहित पार्षद मनोज मुद्गल और सभी लोगों ने बिना मास्क लगाए ही फोटो खिंचवाई थी। यह फोटो वायरल हो गई और लोगों ने वायरल होने पर सवाल उठा दिए।

मुख्य सचेतक महेश जोशी ने सोमवार को अपनी गलती स्वीकारते हुए सिविल लाइन ज़ोन में खुद का 500 रुपये का चालान कटवाया। डॉ. जोशी ने यह तस्वीरें दिखाने के लिए मीडिया समूहों का भी धन्यवाद दिया और कहा कि भविष्य में ध्यान रखेंगे कि किसी भी सरकारी गाइडलाइन का उल्लंघन नहीं हो। हालांकि, जोशी की ओर से यह भी कहा गया है कि उन्होंने पूरे शादी समारोह के दौरान चेहरे मास्क लगा रखा था और फोटोग्राफर के आग्रह पर दुल्हे के साथ सिर्फ फोटो खिंचवाने के लिए मास्क हटाया था। इसी विवाह समारोह में महापौर मुनेश गुर्जर और परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास भी शामिल हुए थे और उनकी बिना मास्क के फोटो खिंचवाते हुए तस्वीरें वायरल हुई थीं। हालांकि, अभी तक प्रताप सिंह खाचरियावास और मुनेश गुर्जर ने चालान नहीं कटवाया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908